खास-खबरें

चंद्रशेखर वार्ड में जरूरतमंदों को वितरित किए कपड़े

सागर। मुख्य शाखा सागर द्वारा उषाकंर चेरिटेबल एंड एजुकेशनल ट्रस्ट की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आज चंद्रशेखर वार्ड में गरीब माताओं ,बहनों को साड़ी उपहार स्वरूप दिया गया। एवं भाइयों को गमछा तोलिया भेट स्वरूप देकर आज उषाकंर चेरिटेबल एंड एजुकेशनल ट्रस्ट स्थापना दिवस के रूप में मनाया गया और आज ही के दिन दीदी सविता सोहाने जी द्वश्चह्य जी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया एवं आप जी की लंबी आयु, दीर्घ आयु की कामना परमपिता भगवान ईश्वर से की गई इस प्रोग्राम में संजय डेगरे जी ट्रस्टी सागर,अभय रावत बांदा, सुरेश मोहनानी, सुनील मनवानी, कार्तिक विश्वकर्मा, मनीष सेन, शैलेंद्र जी, आदि सदस्यगण उपस्थित रहे

राधा रमण इंस्टीट्यूट पर कार्यवाही, मौके से मिली शराब की बोतलें और नोट गिनने की मशीन समेत अन्य आपत्तिजनक सामग्री

सागर। सागर शहर के सिविल लाइन क्षेत्र में संचालित राधा रमण इंस्टीट्यूट पर शिकायत के आधार पर बाल संरक्षण आयोग, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड श्रम विभाग और महिला बाल विकास की टीम ने संयुक्त रूप से कार्यवाही की, मौके से शराब की भरी और खाली बोतले, नोट गिरने की मशीन, तकिया गद्दे व अन्य दस्तावेज मिले हैं, वहीं इंस्टीट्यूट के संचालक सुनील नेमा बताया जा रहे हैं जो मौके पर नहीं मिले उनके कुछ कर्मचारी थे, बाल संरक्षण आयोग के सदस्य ओंकार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया एक शिकायत मिली थी जिसमें बच्चों को जॉब के नाम पर 3 महीने की ट्रेनिंग देकर एक परीक्षा के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में क्लीनिक खोलने का प्रलोभन दिया जा रहा है। जानकारी लगने पर मौके का निरीक्षण किया गया जहां पर राधा रमण इंस्टीट्यूट नाम से दस्तावेज मिले हैं कर्मचारियों ने बताया कौशल विकास केंद्र के माध्यम से राधा रमण इंस्टिट्यूट संचालित कर रहे हैं। ओंकार सिंह ने आगे बताया कि इस इंस्टिट्यूट में जहां बहुत सारी बच्चियों है यहाँ पर कई अवैध सामग्री मिली है जिसमें खाली भरी शराब की बोतले मिली, जिससे अनैतिक गतिविधियों से इनकार नहीं किया जा सकता, लैब में एक्सपायर डेट के केमिकल मिले है जो बच्चों के लिए घातक है। उन्होंने बताया कि कुछ कमरों की चाबी नहीं थी जिससे उन्हें खोला नहीं जा सका, डीवीआर जप्त करने के निर्देश दिए हैं मौके से कई डॉक्यूमेंट जप्त किए गए हैं। जांच के बाद मामला स्पष्ट होगा।

विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगीः लारिया

सागर। नरयावली विधायक इंजी. प्रदीप लारिया नगर पालिका परिषद मकरोनिया अध्यक्ष मिहीलाल अहिरवार ने मकरोनिया अंतर्गत दीनदयाल नगर वार्ड, मकरोनिया में श्रीराम दरबार के समीप 7 लाख रु. की लागत से सामुदायिक भवन का छत निर्माण कार्य का भूमिपूजन पं. केशव गिरी महाराज जी के सानिध्य में मंत्रोच्चारण की अनुगुंजन के मध्य किया। इस अवसर पर विधायक लारिया ने कहा कि सामुदायिक भवन बनने से नागरिकों को सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए एक उपयोगी स्थान सुलभ होगा। इससे लोगों को एक दूसरे से जुड़ने, बातचीत करने और मिलकर काम करने के अवसर प्राप्त होंगे साथ ही सामुदायिक भावना मजबूत होगी ।सामुदायिक भवन के निर्माण से सभी समाज के लोगों को लाभ मिलेगा। नपा मकरोनिया अंतर्गत समस्त वार्डों में निरंतर विकास कार्य करायें जा रहे है। विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद मकरोनिया पार्षद गण बलवंत सिंह ठाकुर, विवेक सक्सेना, नरेंद्र सिंह ठाकुर, राजा रिछारिया, निशांत आठिया, सोनू यादव, कमलेश कुशवाहा मंडल अध्यक्ष अंकित तिवारी, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष बंटी राठौर, केदार शर्मा, बाबूलाल रोहित, राजू मिश्रा, महेंद्र गोस्वामी, उत्तम सिंह ठाकुर, आर डी शर्मा, मोहन महाराज, गोपाल रजक, शिवम् दुबे, प्रशांत मिश्रा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, पवन शर्मा, उपयंत्री सत्यम देवलिया, अधिक संख्या में मातृ शक्ति उपस्थित रही।

किसान खेत में जला रहे नरवाई, कर रहे कलेक्टर के आदेश का उल्लंघन, पर्यावरण को पहुंच रहा नुकसान

नरवाई जलाने पर लगेगा जुर्माना, कलेक्टर ने लगाया प्रतिबंध

सागर

जिले में गेहूं कटाई के बाद खेतों में नरवाई (फसल अवशेष) जलाने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, जिससे पर्यावरण, पशुधन और खेत की उर्वरता पर गंभीर असर पड़ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है।

कलेक्टर संदीप जी.आर. ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी करते हुए संपूर्ण जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश के तहत यह स्पष्ट किया गया है कि इस तरह की घटनाएं न सिर्फ किसानों को आर्थिक नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि पर्यावरण, पशुओं और समाज के लिए भी खतरनाक साबित होती हैं।

उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, जिला सागर द्वारा मेरे संज्ञान में लाया गया है कि, वर्तमान में गेहूं की फसल कटाई अधिकांशतः कम्बाईन्ड हार्वेस्टर द्वारा की जाती है। कम्बाईन्ड हार्वेस्टर से कटाई उपरांत फसल की नरवाई में आग लगाने की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई

दिल्ली के द्वारा नरवाई में आग लगाने की घटनाओं की सेटेलाइट मैपिंग की जा रही है। राष्ट्रीय फसल अवशेष प्रबंधन नीति 2014 के अंतर्गत फसल अवशेष प्रबंधन हेतु जिला स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन समिति का गठन किया गया है।

कटाई उपरांत बचे हुए गेहूं के डंठलों (नरवाई) से भूसा न बनाकर जला देते हैं। फसल अवशेष भूसे का उपयोग पशु आहार के साथ ही अन्य वैकल्पिक रूप में किया जा सकता है। एकत्रित किया गया भूसा अन्य उ?द्योगों में उपयोग किया जाता है। भूसे एवं पैरा की मांग प्रदेश के अन्य जिलों के साथ अनेक प्रदेशों में भी होती है। एकत्रित भूसा 08-10 रूपये प्रति किलोग्राम की दर पर विक्रय किया जा सकता है। पर्याप्त मात्रा में भूसा / अवशेष उपलब्ध न होने के कारण पशु अन्य हानिकारक पदार्थ जैसे कागज, पालिथीन आदि खाते हैं, जिससे वे बीमार हो जाते हैं तथा अनेक बार उनकी मृत्यु भी हो जाती है तथा कृषकों को यही भूसा बढ़ी हुई दरों पर क्रय करना पड़ता है। नरवाई एवं अवशेष में आग लगाना कृषि के लिये नुकसानदायक होने के साथ ही पर्यावरण की दृष्टि से भी हानिकारक है। इसके कारण विगत वर्षों में गंभीर स्वरूप की अग्नि दुर्घनाएं घटित हुई हैं तथा व्यापक संपति की हानि हुई है। ग्रीष्म ऋतु में बढ़ते जल संकट में इससे बढ़ोत्तरी तो होती ही है, साथ ही कानून व्यवस्था के लिये विपरीत परिस्थितियां निर्मित होती हैं।

नरवाई एवं अवशेष जलाने से प्रथम दृष्टया निम्नलिखित नुकसान होने से जनहित में इस पर रोक लगाई जाना आवश्यक प्रतीत होता है। खेत की आग के अनियंत्रित होने पर जन, धन, संपति, प्राकृतिक वनस्पति एवं जीव जंतु आदि नष्ट हो जाते हैं, जिससे व्यापक नुकसान होता है।

खेत की मिटटी में प्राकृतिक रूप से पाये जाने वाले लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु इससे नष्ट होते हैं। जिससे खेत की उर्वरा शक्ति धीरे-धीरे घट रही है और उत्पादन प्रभावित हो रहा है। खेत में पड़ा कचड़ा भूसा डंठल सड़ने के बाद भूमि को प्राकृतिक रूप से उपजाउ बनाते हैं। जिन्हें जलाकर नष्ट करना उर्जा को नष्ट करना है। आग लगाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

उपरोक्त परिस्थितियों में जन सामान्य के हित सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा पर्यावरण की हानि रोकने एवं लोक व्यवस्था बनाये रखने हेतु कलेक्टर संदीप जी.आर. ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले की सीमा में गेहूं एवं अन्य फसलों के डंठलों (नरवाई) में आग लगाये जाने पर प्रतिबंध है।

फसलों की कटाई में उपयोग किये जाने वाले प्रत्येक कम्बाईन्ड हार्वेस्टर के साथ भूसा तैयार करने हेतु स्ट्रा, रीपर अनिवार्य रूप से रखा जाये या कम्बाईन्ड हार्वेस्टर में स्ट्रा मेनेजमेंट सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा।

विश्वविद्यालय : कैंसर के उपचार के शोध में फार्मेसी विभाग को भारतीय पेटंट

सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के फार्मेसी विभाग की शोधार्थी एवं वर्तमान में राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा अनुसंधान संस्थान अहमदाबाद में रिसार्ज एसोसियट डॉ. साक्षी ने कैंसर में उपचार में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की. इनके शोध कार्य लिपोसोम कम्पोजिशन एंड मैथ्ड फॉर टारगेटिंक ड्रग डिलेवरी का हाल ही में भारतीय पेंटंट प्राप्त हुआ है. यह नवाचार स्तन कैंसर के इलाज के लिय दवा को लक्षित ढंग से पहुंचाने की दिशा में एक बडी उपलब्धि मानी जा रही है. इस शोध का उद्देश्य कैंसर की दवाओं को सीधे ट्यूमर कोशिकाओं तक पहुंचाकर स्वास्थ कोशिकाओं को नुकसान से बचाना है. उन्होंने बताया कि पारंपरिक कीमोथेरेपी में शरीर की सामान्य कोशिकाएं भी प्रभावित होती है. जिससे कई दुष्प्रभाव उत्पन्न होते है.

लेकिन यह नई तकनीकि लक्षित वितरण प्रणाली के माध्यम से सिर्फ कैंसर कोशिकाओं पर प्रभाव डालती है. जिससे उपचार अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनता है. पारंपरिक कीमोथेरेपी के मुकाबले काफी सुरक्षित और किफायती भी है. इसमें डॉक्सोरूबिसिन नामक एंटी कैंसर ड्रग को पॉलथिलीन ग्लाइकोल से लेपित लिपोसोम (पिगायेलेडिट लिपोसोम) के माध्यम से शरीर में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिकाओं तक सीधे पहुंचाया गया। इस लिपोसोम को 4 नामक सेल पेनेट्रेटिंग पेप्टाईड से जोडा गया. जिसमें यह खासतौर पर कैंसर कोशिकाओं को पहचान कर उन तक ही दवा पहुंचाता है. इस तकनीकि से सामान्य स्वस्थ कोशिकाओं प्रभावित नहीं होती, जिससे कीमोथेरेपी की वजह से होने वाले बाल झडना, उल्टी कमजोरी जैस साइड इफेक्टस बेहद कम हो जाते है. इस प्रणाली की इन विट्रो (प्रयोगशाला) और इन वाइवो (जानवरों पर) टेस्टिंग में इसे बेहद कारगर और सुरक्षित पाया गया है. यह कैंसर कोशिकाओं की मृत्यु कर उनके डीएनए को क्षति पहुंचाता है। और ट्यूमर साइट पर लंबे समय तक बना रहता है. जिससे ड्रग की बार बार जरूरत नहीं पडती. इस तकनीकि से क्लिनिकल परीक्षण और उघोग में स्थानांतरण के लिये भी कार्य किया जा रहा है. जिससे यह नवाचार प्रयोगशाला से निकालकर आम जनमानस के जीवन को बेहतर बना सकें।

इस शोध कार्य के लिए डॉ. साक्षी को हाल ही विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा आयोजित 40वी युवा वैज्ञानिक कांग्रेस में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार और नगद राशि से सम्मानित किया गया. यह उपलब्धि उनके शोध की वैज्ञानिक गुणवत्ता और सामाजिक महत्व को दर्शाती है. डॉ. साक्षी सोनी ने इस सफलता का श्रेय अपने मार्गदर्शक प्रो. वंदना सोनी और प्रो. सुशील कुमार काशव के साथ साथ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अपने विभाग से सभी शिक्षकों और माता पिता कांता सोनी और कृष्णा सोनी को दिया।

15 से 17 अप्रैल तक जलसप्लाई रहेगी बंद

सागर। टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड द्वारा सिविल लाईन चौराहे से विठ्ठलनगर टंकी तक डाली गई ग्रेविटी पाइप लाईन को चार स्थानों पर इंटरकनेक्ट एवं लीकेज सुधार कार्य के कारण विभिन्न क्षेत्रों में 15 से 17 अप्रैल तक जलप्रदाय बंद रहेगा दिनांक 15 अप्रैल की सुबह 8 बजे से 16 अप्रैल की सुबह 8 बजे तक राजघाट परियोजना के पंपो का संचालन बंद रखा जावेगा। जिस कारण 15 अप्रैल की सुबह 8 बजे से 16 अप्रैल की सुबह 8 बजे तक अर्थात् 24 घंटे को संपूर्ण शहर की जल सप्लाई बंद रहेगी परंतु विठ्ठलनगर टंकी क्षेत्र, रेल्वे क्षेत्र, शास्त्री वार्ड, सुभाष नगर सप्लाई आंशिक क्षेत्र में 15 अप्रैल की सुबह 8 बजे से 17 अप्रैल की सुबह 8 बजे तक अर्थात् 48 घंटे को उपरोक्त क्षेत्र की जल सप्लाई प्रभावित रहेगी। कार्य पूर्ण उपरांत 17 अप्रैल से जलप्रदाय पूर्व व्यवस्था अनुसार किया जावेगा

मकरोनियॉ के उपभोक्ताओं को जलकर की राषि जमा करने हेतु 15 अप्रैल से उपभोक्ता सुविधा केन्द्र शुरू होगा। 30 अप्रैल तक बकाया राशि जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के नल कनेक्षन विच्छेद करने की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

गर्मी में पंक्षियों की फिक्रः मनवानी फिल्म्स पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए बांट रहे सकोरे

सागर

मनवानी फिल्म्स सिन्धु संस्कार समिति के पदाधिकारियों ने कहा की प्यासे पक्षियों के लिए सकोरे बांटने का मतलब है, पक्षियों को पीने के लिए पानी देने के लिए सकोरे रखना. गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी की कमी हो जाती है, इसलिए लोगों को अपने घरों के आस-पास सकोरे रखकर पक्षियों की मदद करनी चाहिए। मनवानी फिल्म्स के डायरेक्टर राजेश मनवानी ने कहा की हमारी समिति ने 2010 से इस अभियान की शुरुआत भगवान् झूलेलाल जयंती के मौके पर की थी यह 15 वां वर्ष है गर्मी में प्यासे कंठ को तर करने के लिए प्याऊ तो कई लोग लगाते हैं ।लेकिन मूक पक्षियों की कोई सुध नहीं लेता। मनवानी

फिल्म्स सिन्धु संस्कार समिति ने इस दिशा में पहल करते हुए घर-घर सकोरे बांटने का अभियान छेड़ा है। अब तक इस वर्ष झूलेलाल जयंती 30 मार्च से डेढ़ सौ सकोरे वितरित भी किए जा चुके हैं। फिलहाल 500 सकोरे बांटने का लक्ष्य है। जरूरत के अनुसार लक्ष्य को बढ़ाया जाएगा।

समिति के अध्यक्ष सुनील मनवानी, सचिव सुरेश मोहनानी ने कहा कि गर्मी के दौरान हर साल हजारों पक्षी प्यास के कारण मर जाते हैं। इस स्थिति को देखते हुए सिन्धु संस्कार समिति के सदस्यों ने अपनी ओर से लोगों को सकोरे देने का निर्णय लिया। समिति के अनिल जसवानी, विशाल पंजवानी, अजय ने कहा की अभियान को मूर्त रूप देने के लिए खास तौर से सकोरे तैयार करवाए। प्रत्येक सकोरे में आधा लीटर पानी आ जाता है। समिति के अनिल गंगवानी, शंकर मोटवानी ने सभी सदस्यों के साथ ही अन्य लोगों को भी सकोरे वितरित किए गए। साथ ही लोगों से आह्वान किया कि वे अपने घर की छत या दीवार पर इन पात्रों में पानी भरकर जरूर रखें।

विधायक जैन ने निगम आयुक्त के साथ अटल पार्क का किया निरीक्षण

सागर

विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के साथ अटल पार्क पहुंचकर वहां का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया,उल्लेखनीय है कि विगत कुछ दिनों से अटल पार्क को लेकर आम लोगों की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं,उन्होंने संचालन कर रही एजेंसी को निर्देश दिए कि पार्क की साफ सफाई,उसका मेंटनेंस व्यवस्थित तौर पर किया जाए,कई स्थानों पर साफ़ सफाई और मरम्मत कराने के निर्देश दिए,उन्होंने पार्क में स्थित स्विमिंग पूल के पानी की सैंपलिंग कराने के निर्देश दिए,इसके अलावा अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा की साफ सफाई और उनकी कविताओं के साइन बोर्ड को भी व्यवस्थित करने के निर्देश दिए इस अवसर पर उपयुक्त एस पी बघेल, इंजीनियर दिनकर शर्मा उपस्थित थे।

जैन तीर्थ पर घट यात्रा और ध्वजारोहण के साथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आगाज

सागर

पंचकल्याणक, जैन धर्म में तीर्थंकरों के जीवन की पांच महत्वपूर्ण घटनाओं को कहते हैं. ये घटनाएं हैं- गर्भ कल्याणक, जन्म कल्याणक, दीक्षा कल्याणक, केवल ज्ञान कल्याणक, मोक्ष कल्याणक.

पंचकल्याणक को आत्मकल्याणक का मार्ग माना जाता है. इन घटनाओं के ज़रिए आत्मा से परमात्मा बनने की कला सीखी जा सकती है। तीर्थंकर बालक के जन्म लेने से 6 माह पूर्व से इंद्र द्वारा रत्नो की वर्षा प्रारंभ हो जाती है। मीडिया प्रमुख मनोज जैन लालो ने बताया कि श्री तपोवन जैन तीर्थ बहेरिया फोरलेन पर आयोजित श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ में भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य सिघई शरद कुमार आशा जैन रचना मेडिकल, कांति कुमार शशि जैन बड़ा बाजार सागर, सिंघई अरुण कुमार साधना जैन मनोरमा कॉलोनी, हुकम चंद निर्मला देवी ललितपुर, विजय कुमार अशर्फी देवी भोपाल को प्राप्त हुआ है। ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष सिंघई पवन जैन ने बताया प्रातः काल श्रीजी का अभिषेक शांति धारा के उपरांत घटयात्रा निकाली गई जिसमें ढोल बाजे, घोड़े बग्गिया, हाथी पर सवार

सौधर्म इंद्र राकेश जैन श्रीमती विनीता मुजफ्फरपुर अभिषेक जैन रचना बेंगलुरु संपत जैन नीलू जैन विनय इंडस्ट्रीज सागर अमित कुमार मोनिका जैन गाजियाबाद एवं इंद्राणियो ने पीली केसरिया साड़ी पहन कर सिर पर कलश रखकर पंचकल्याणक स्थल की परिक्रमा करके घटयात्रा ध्वजारोहण स्थल पर पहुंची, जहां वैज्ञानिक संत आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज ससंघ (12 पिच्छी) के मंगल सानिध्य में बाल राकेश भैया अलीगढ, अंकित भैया, मनीष भैया, पंडित अभिषेक आशीष जैन, द्वारा मांगलिक क्रियाएं कराकर ध्वजारोहण कर्ता परिवार अजय कुमार नीरजा, अतिशय -अनुष्का अलीगढ़, पूर्व विधायक सुनील जैन- निधि जैन सागर एवं अजित कुमार समता जैन सागर द्वारा ध्वजारोहण किया गया। पंचकल्याणक कमेटी अध्यक्ष सुरेश जैन बीज निगम, कार्य अध्यक्ष अशोक चितौरा, स्वागत अध्यक्ष संपत जैन ,मुख्य संयोजक आलोक जैन बरायठा एवं उपाध्यक्ष प्रेमचंद पटवारी ने बताया इसके बाद मंडप उद्घाटन कर्ता परिवार मनोज कुमार मंजू, राहुल, रोहित, तुलसी स्वरूप ग्रुप बांदा के द्वारा पंचकल्याणक पंडाल का उद्घाटन आचार्य संघ के सानिध्य में किया गया, साथ ही मंच का उद्घाटन डॉ. सुनील जैन राजेश जैन एडिना कॉलेज परिवार के द्वारा किया गया।

आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि जैन धर्म का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव नकली नहीं होता बल्कि भगवान के असली पंचकल्याणक की फोटोकॉपी की तरह नकल होती है जो साक्षात भगवान की पंचकल्याणक का फल देता है इसीलिए इस महोत्सव को बहुत बढ़-चढ़ के किया जाता है। इस आयोजन के माध्यम से सृष्टि की रचना, मानव का उत्थान और प्रत्येक संसारी आत्मा परमात्मा कैसे बनती है यह संस्कार सहित प्रायोगिक क्रिया विधि बताई जाती है।

कार्यक्रम में उपस्थित हजार लोगों का वात्सल्य भोज सुमित कुमार राजेश्वरी जैन परवारपुरा, नागपुर वालों के सौजन्य से किया गया। वात्सल्य भोज का आयोजन प्रतिदिन अलग-अलग पुण्यार्जको के द्वारा किया जा रहा है।